



FuturePointIndia.com
(फ्यूचर पॉइंट द्वारा रचित)

संस्करण: अंग्रेजी | हिन्दी

मंगलवार, अगस्त 21, 2012

मुखपृष्ठ | आपके विचार | हमसे मिलिए

चैनल

- राशिफल
- ज्योतिष संस्था *नया*
- ज्योतिष सामग्री *नया*
- परामर्श
- पंचांग
- बायोरेडमिक चार्ट
- व्यापारिक भविष्यवाणी
- पर्व एवं त्योहार
- फ्री डाउनलोड
- मंत्र
- चिकित्सा व ज्योतिष
- फ्यूचर समाचार
- पुस्तकें
- सेवाएं
- ज्योतिष डायरेक्ट्री
- ज्योतिष शिक्षा
- ऑन लाइन प्रश्न
- अध्यात्म
- सेमिनार
- ईपंडित नैटवर्क
- तीर्थयात्रा
- शोध लेख

साइट दूँडिए



आपका फैसला

क्या मंगल दोष वैवाहिक जीवन को प्रभावित करता है?

- ☐ हाँ
- ☐ नहीं
- ☐ पता नहीं

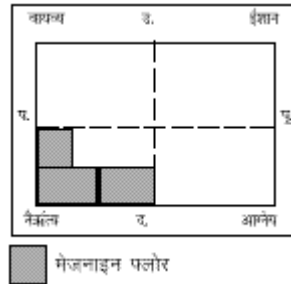
[पिछले माह के परिणाम](#)

वास्तु भवन निर्माण

पं. गोपाल शर्मा (बी. ई.), दिल्ली

भवन का नक्शा बनाते समय ध्यान देने योग्य बातें:

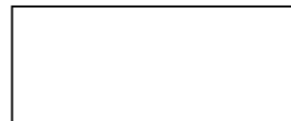
(12) प्रथम तथा द्वितीय के बीच का तल्ला (मेजनाइन फ्लोर) भवन के नैऋत्य या पश्चिम, दक्षिण नैऋत्य क्षेत्र की ओर होना चाहिए।



(13) भवन की चौड़ाई-लंबाई का अनुपात 1:1 या 1:1.5 या 1:2 तक होना चाहिए। पर किसी भी स्थिति में चौड़ाई-लंबाई का अनुपात 1:2 से अधिक न हो।



भवन की लंबाई-चौड़ाई का अनुपात
= 1:1 अति उत्तम



भवन की लंबाई-चौड़ाई का अनुपात
= 1:1.5 उत्तम

If you are not able to view the page properly then [Download Hindi Font.](#)

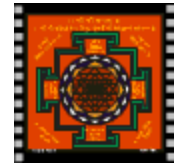
पंजीकृत सदस्य

यूजर आईडी

.पासवर्ड

[पंजीकरण](#) | [संशोधन पासवर्ड भूल गये हैं?](#)

ज्योतिष सामग्री



- हमारी साइट को अपने Favorites में

आज ही खरीदिए

लियो गोल्ड

डेमो कॉपी 250/-



फ्यूचर पॉइंट द्वारा निर्मित लियो गोल्ड, विंडो पर आधारित जन सामान्य के प्रयोग हेतु सुविधापूर्ण ज्योतिषीय सॉफ्टवेयर है।
और



भवन की लंबाई-चौड़ाई का अनुपात
= 1:1.2 ठीक

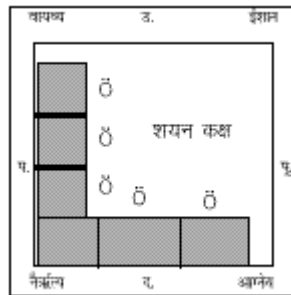


भवन की लंबाई-चौड़ाई का अनुपात
= 1:2 से अधिक गलत

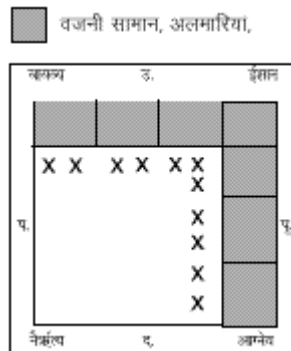


लियो-पाम की मेमोरी में
ज्योतिषीय प्रोग्राम है, जिससे
विभिन्न ज्योतिषीय कार्य किये
जा सकते हैं [और](#)

(14) कक्ष में अलमारियां या भारी सामान दक्षिण या पश्चिम दीवारों से सटा कर रखें। किताबों के लिए रैक भी इसी दिशा में रखें।



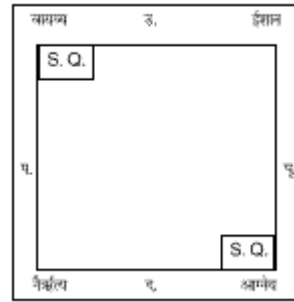
पूर्व और उत्तर दिशाओं में वजनी सामान न रखें। छोटा और हल्का सामान भी पूर्व-उत्तरी दीवारों से सटा कर न रखें।



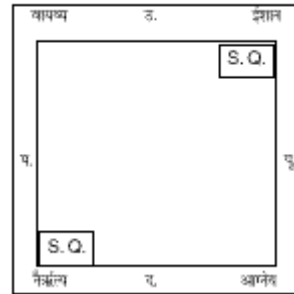
(15) नौकरों के लिए आवास भूमि के वायव्य या आग्नेय दिशा में बनाने चाहिए।

ध्यान रखें कि निर्माण करते समय ये आवास भवन की पूर्वी और उत्तरी दिशाओं की चारदीवारी से सटे नहीं, बल्कि अलग रहें। इनमें फासला रहे और आवास की ऊंचाई मुख्य भवन की ऊंचाई से अधिक न हो। ये आवास चारदीवारी से कम से कम 3 1/2 फुट दूर हों, तो उत्तम है।

वायव्य या आग्नेय दिशा में आवास शुभ ।



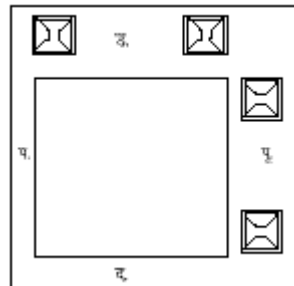
ईशान और दक्षिण में ये आवास न बनाएं ।



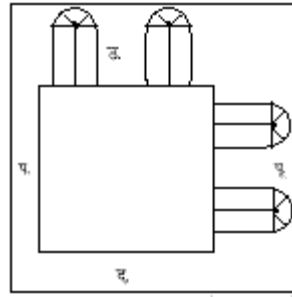
(16) गाड़ियों के लिए गैरेज भी वायव्य या आग्नेय कोण में बना सकते हैं । पर सिद्धांत वही है कि ये उत्तर-पूर्वी चारदीवारी से सटे हुए न हों ।



(17) खिड़कियां भवन की उत्तर और पूर्व दिशाओं में अधिक होनी चाहिए और दक्षिण और पश्चिम दिशा में बहुत कम ।



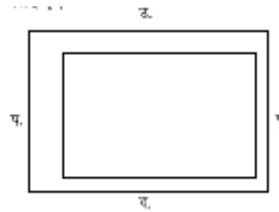
(18) दरवाजे भी उत्तर और पूर्व दिशा की ओर होने चाहिए । दक्षिण और पश्चिम दिशा की ओर बहुत कम दरवाजे खुलने चाहिए ।



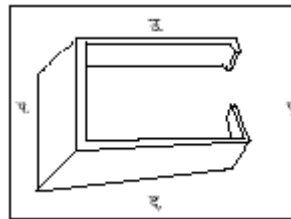
(19) भवन में खिड़की और दरवाजों की संख्या सम होनी चाहिए। अंक ज्योतिष में 30, 50, 70 आदि विषम माने जाते हैं, सम नहीं।

(20) सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए।

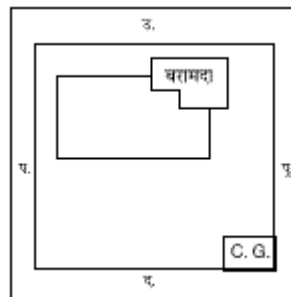
(21) पूर्व और उत्तर दिशा की दीवारें पतली होनी चाहिए। दक्षिण और पश्चिम दिशा की दीवारें मोटी होनी चाहिए।



(22) चारदीवारी दक्षिण और पश्चिम में थोड़ी ऊंची और मोटी होनी चाहिए। पूर्व और उत्तर में चारदीवारी थोड़ी नीची और पतली रखें।

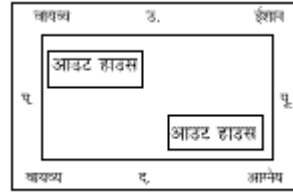


(23) भवन में बरामदा पूर्व या उत्तर दिशा में बनवाना चाहिए। बरामदे की छत भवन की छत के स्तर से नीची या समान होनी चाहिए, परंतु ऊंची न हो। दक्षिण और पश्चिम की तरफ बरामदा न रखें। उसमें यदि बरामदा दक्षिण की ओर है, तो उसे शीशे से ढक दें।



(24) बाहर के कमरे भवन के वायव्य या आग्नेय कोण में बनाएं। परंतु वह उत्तरी और पूर्वी चारदीवारी को न छुएं। बाहर के कमरे की ऊंचाई

मुख्य भवन से कम रखनी चाहिए।



[FuturePointIndia.com के बारे में](#) | [हमको विज्ञापन दें](#) | [आपके विचार](#) | [हमसे मिलिए](#) | [मुखपृष्ठ](#)

© 1998-2002 FuturePointIndia.com (P) Ltd. - All rights reserved - [Disclaimer](#) - [Privacy Policy](#)

ऊपर

फ्यूचर पॉइंट द्वारा प्राधिकृत साइट